पुराना किला का उत्खनन

दिल्ली स्थित पुराना किला में हाल ही में [भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI)]() द्वारा की गई उत्खनन कार्यवाही से 2,500 वर्षों से अधिक पुराने इतिहास का पता चला है। इस उत्खनन का उद्देश्य **स्थल के पूर्ण कालक्रम को स्थापित** करना है।

- **यहाँ विभिन्न ऐतिहासिक काल की कलाकृतियों की खोज की गई है** जिसमें पूर्व-मौर्य, मौर्य, सुंग, कुषाण, गुप्त, राजपूत, सल्तनत और मुगल सहित **9 सांस्कृतिक स्तरों का पता चला है।**
- इस योजना का लक्ष्य कलाकृतियों को **किले में एक ओपन एयर साइट संग्रहालय में प्रदर्शित** करना है।

उत्खनन के निष्कर्ष:

- **चित्रित धूसर बर्तनों के टुकड़े:**
  - इन मृदभांडों (मिट्टी के बर्तनों) के टुकड़े आमतौर पर 1200 ईसा पूर्व से 600 ईसा पूर्व की अवधि के हैं, जो पूर्व[मौर्य युग]() में **मानव बस्तियों** के अस्तित्व का संकेत देते हैं।
- **वैकुंठ विष्णु मूर्तिकला:**
  - खुदाई के दौरान **राजपूत काल** से संबंधित **वैकुंठ विष्णु** की 900 वर्ष पुरानी एक मूर्ति की खोज की गई।
- **टेराकोटा पट्टिका:**
  - इस स्थल पर **देवी गजलक्ष्मी** की एक टेराकोटा पट्टिका मिली है, जो **गुप्त काल** की है।
- **टेराकोटा रिंग वेल:**
  - **मौर्य काल** के 2,500 वर्ष पुराने कुएँ के अवशेषों का पता चला था।
- **शुंग-कुषाण काल का परिसर:**
  - खुदाई में **सुंग-कुशान काल** के एक अच्छी तरह से परिभाषित **फोर-रूम परिसर** का पता चला, जो लगभग 2,300 वर्ष पुराना है।
- **सिक्के, मुहरें और ताँबे की कलाकृतियाँ:**
  - **साइट पर 136 से अधिक सिक्के, 35 मुहरें और सीलिंग** तथा अन्य ताँबे की कलाकृतियों की खोज की गई। ये निष्कर्ष व्यापार गतिविधियों के केंद्र के रूप में साइट के महत्त्व को इंगित करते हैं।

पुराना किला:

- पुराना किला मुगल युग से संबंधित **सबसे पुराने किलों में से एक** है और इस स्थल की पहचान **इंद्रप्रस्थ (पांडवों की राजधानी) की प्राचीन बस्ती के रूप** में की जाती है।
- **पुराना किला के विशाल प्रवेश द्वार और दीवारों का निर्माण हुमायूँ ने 16वीं शताब्दी** में किया था तथा नई राजधानी दीनपनाह की नींव रखी गई थी।
- इस काम को **शेरशाह सूरी** ने आगे बढ़ाया, जिसने हुमायूँ को विस्थापित किया।
- किले के अंदर के प्रमुख आकर्षण शेरशाह सूरी की **किला-ए-कुहना मस्जिद**, **शेर मंडल** (एक मीनार जो पारंपरिक रूप से हुमायूँ की मृत्यु से संबंधित है), एक बावड़ी और व्यापक प्राचीर के अवशेष हैं इसमें तीन द्वार हैं।
- इंडो-इस्लामिक वास्तुकला की अनूठी विशेषताएँ जैसे- **घोड़े की नाल के आकार के मेहराब, ब्रैकेटेड ओपनिंग्स, संगमरमर की जड़ाई,** नक्काशी आदि संरचना में प्रमुख हैं।
  - मस्जिद में एक शिलालेख है, जिसमें कहा गया है 'जब तक इस धरती पर लोग हैं तब तक इस भवन में बार-बार आना चाहिये और लोग इसमें खुश रहेंगे'।

[स्रोत: द हिंदू]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/purana-qila-excavation